<u>सीआरपीएफ ने अपने वीरों को किया सम्मानित</u>

<u>बस्तर में FOB की स्थापना और जम्मू-कश्मीर में निर्णायक आधुनिक तकनीक से रणनीति को किया परिमार्जित</u>

स्वतंत्रता दिवस 2020 और गणतंत्र दिवस 2021 पर सीआरपीएफ के 127 बहादुरों को 128 वीरता पदक प्रदान किए गए, जिनमें 4 कीर्ति चक्र, 1 पीपीएमजी और 123 पीपीएम शामिल हैं। डॉ ए.पी. माहेश्वरी, डीजी सीआरपीएफ ने इन वीरता पदक विजेताओं और मरणोपरांत वीरता पदक से सम्मानित वीरों के परिवारोंको दिल्ली में आयोजित समारोह में सम्मानित किया। महानिदेशक ने पदक प्राप्त कर्ताओं को स्मृति चिन्ह और शहीदों के परिजनों को स्मृति चिन्ह, शॉल , व आर्थिक सहायता प्रदान की।

कभी माओवादियों का गढ़ रहे मिनपा में सफलतापूर्वक स्थापित फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस (एफओबी) को बेस्ट फॉरवर्ड ऑपरेटिंग बेस घोषित करते हुए महानिदेशक ने प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया। सुकमा के इसी क्षेत्र में साल भर पहले 17 डीआरजी वीरों ने सर्वोच्च बलिदान दिया था। एफओबी एक त्रिकोणीय रणनीति का एक हिस्सा हैं जिसमें निरंतर अभियानों द्वारा दुश्मन के गढ़ों को ध्वस्त करना, FOB स्थापित कर नियत समय में ऑपरेशन्स कर परिचालनिक लाभ प्राप्त करना, और संचालन के दौरान वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में मोबाइल कमांड पोस्ट (MCPX) का उपयोग कर वास्तविक समय में ऑपरेशन्स को नियंत्रित व प्रबंधित करना शामिल है। सीआरपीएफ के केंद्रीय बैंड द्वारा 'वंदे मातरम्' की एक आकर्षक प्रस्तुति भी समारोह में की गई।

वीरों की प्रशंसा करते हुए डीजी सीआरपीएफ ने कहा कि राष्ट्र ने सीआरपीएफ कर्मियों की वीरता और साहस को पदकों से अलंकृत किया है । उन्होंने कहा कि राष्ट्र सदैव हमारे योद्धाओं और उनके परिवारों के प्रति ऋणी रहेगा जो कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों की आहुति देने से भी नहीं चूके। उन्होंने आश्वासन दिया कि सीआरपीएफ अपने परिवारों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलने के लिए प्रतिबद्ध है।महानिदेशक ने मिनपा एफओबी की प्रशंसा करते हुए इसे बल के संकल्प का प्रतीक बताया चूँकि यह प्रतिकूल परिस्थितियों और अनेकों हमलों के उपरांत भी रिकॉर्ड समय में स्थापित किया गया। उन्होंने कहा कि यह एफओबी दुश्मन के दिल में खंजर की तरह काम करेगा और उसके अपराजेय होने के भ्रम को तोड़ेगा।

जम्मू-कश्मीर में बल अन्य सुरक्षा बलों के साथ मिलकर ग्रामीण इलाकों में लक्षित ऑपरेशन पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, जबकि सीआरपीएफ वैली क्यूएटी श्रीनगर में ऑपरेशन्स कर रही है । अवांछित क्षति से

बचने के लिए मानव और भौगोलिक इलाकों का मानचित्रण करने के अलावा, कार्मिकों को सुरक्षा उपकरण और बल गुणक जैसे कि अत्याधुनिक उपकरणों से लैस बुलेट प्रूफ घटना प्रतिक्रिया कमांड वाहन प्रदान किये गए हैं जो योद्धाओं को निर्णायक बढ़त और सुरक्षा प्रदान करेंगे। जहाँ एक ओर QAT को कम से कम संभव प्रतिक्रिया समय में तैनात किया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर वरिष्ठ कमांडरों को ऑपरेशन स्थलों से वास्तविक समय पर वीडियो फीड प्राप्त हो रहे हैं, जिससे वे प्रभावी ढंग से संचालन की निगरानी और त्वरित आवश्यक निर्देश देने में और सक्षम हुए हैं।

CRPF का अनुकरणीय साहस, प्रतिबद्धता, व दृढ़ता से भरपूर एक शानदार इतिहास है। कुल 2112 वीरता पदकों के साथ बल को सबसे सुशोभित केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल होने का गौरव प्राप्त है। 2224 बहादुरों ने राष्ट्र सेवा में सर्वोच्च बलिदान दिया है। CRPF के साहस, बलिदान और व्यावसायिक दक्षता ने इसे राष्ट्र की आंतरिक सुरक्षा का प्रमुख बल बना दिया है।

वीरता पदक विजेता
स्वतंत्रता दिवस 2020